TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

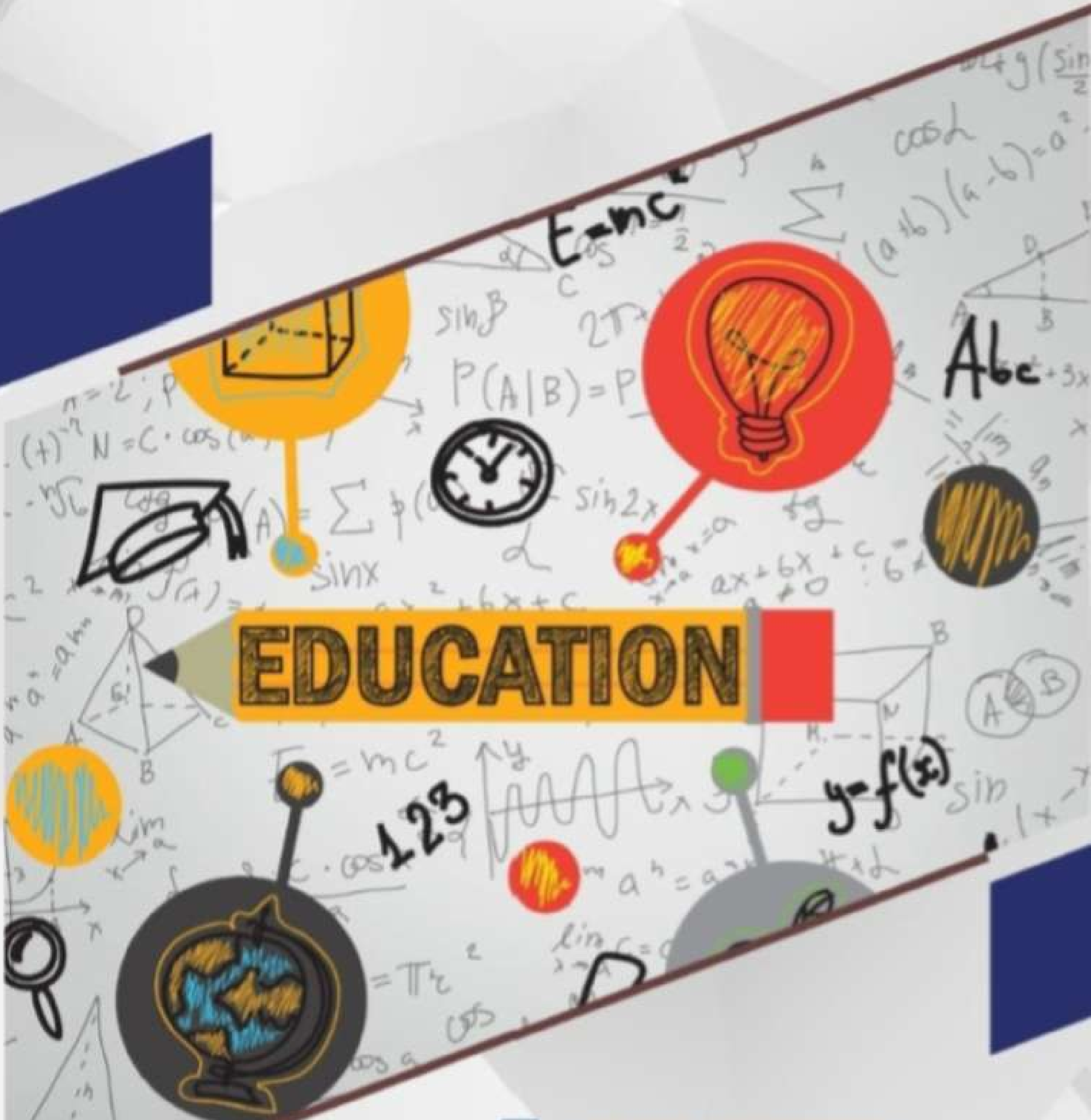

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

12 नवंबर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

विनम्रता के बिना ज्ञान बेकार है।

मदनमोहन मालवीय

(स्वतंत्रता सेनानी)

जन्म : 25 दिसम्बर 1861 मृत्यु : 12 नवंबर 1946

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

12 नवंबर

मधु प्रिया

महामना मदन मोहन मालवीय का निधन 12 नवम्बर

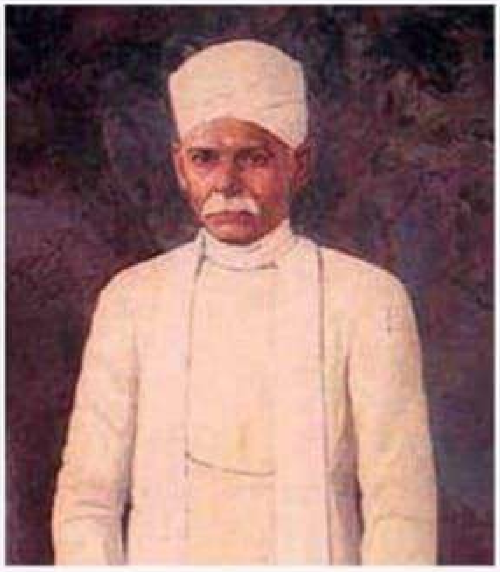

मालवीयजी का जन्म प्रयागराज में 25 दिसम्बर 1861 को पं० ब्रजनाथ व मूनादेवी के यहाँ हुआ था। वे अपने माता-पिता से उत्पन्न कुल सात भाई बहनों में पाँचवें पुत्र थे। मध्य भारत के मालवा प्रान्त से प्रयाग आ बसे उनके पूर्वज मालवीय कहलाते थे। आगे चलकर यही जातिसूचक नाम उन्होंने भी अपना लिया। पंडित इनको और इनके पिता जी को उपाधि मे मिली पिता पण्डित ब्रजनाथजी संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड विद्वान थे। वे श्रीमद्भागवत की कथा सुनाकर अपनी आजीविका अर्जित करते थे। पाँच वर्ष की आयु में उन्हें उनके माँ-बाप ने संस्कृत भाषा में प्रारम्भिक शिक्षा लेने हेतु पण्डित हरदेव धर्म ज्ञानोपदेश पाठशाला में भर्ती करा दिया जहाँ से उन्होंने प्राइमरी परीक्षा उत्तीर्ण की। उसके पश्चात वे एक अन्य विद्यालय में भेज दिये गये जिसे प्रयाग की विद्यावर्धिनी सभा संचालित करती थी। यहाँ से शिक्षा पूर्ण कर वे इलाहाबाद के जिला स्कूल पढने गये। यहीं उन्होंने मकरन्द के उपनाम से कवितायें लिखनी प्रारम्भ की। उनकी कवितायें पत्र-पत्रिकाओं में खूब छपती थीं। लोगबाग उन्हें चाव से पढते थे। 1879 में उन्होंने म्योर सेण्ट्रल कॉलेज से, जो आजकल इलाहाबाद विश्वविद्यालय के नाम से जाना जाता है, मैट्रीकुलेशन (दसवीं की परीक्षा) उत्तीर्ण की। हैरिसन स्कूल के प्रिंसपल ने उन्हें छात्रवृत्ति देकर कलकत्ता विश्वविद्यालय भेजा जहाँ से उन्होंने 1884 ई० में बी०ए० की उपाधि प्राप्त की। महामना मदन मोहन मालवीय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। 12 नवंबर 1946 को इनकी मृत्यु हो गई।

पुण्यतिथि विशेष 12 नवंबर

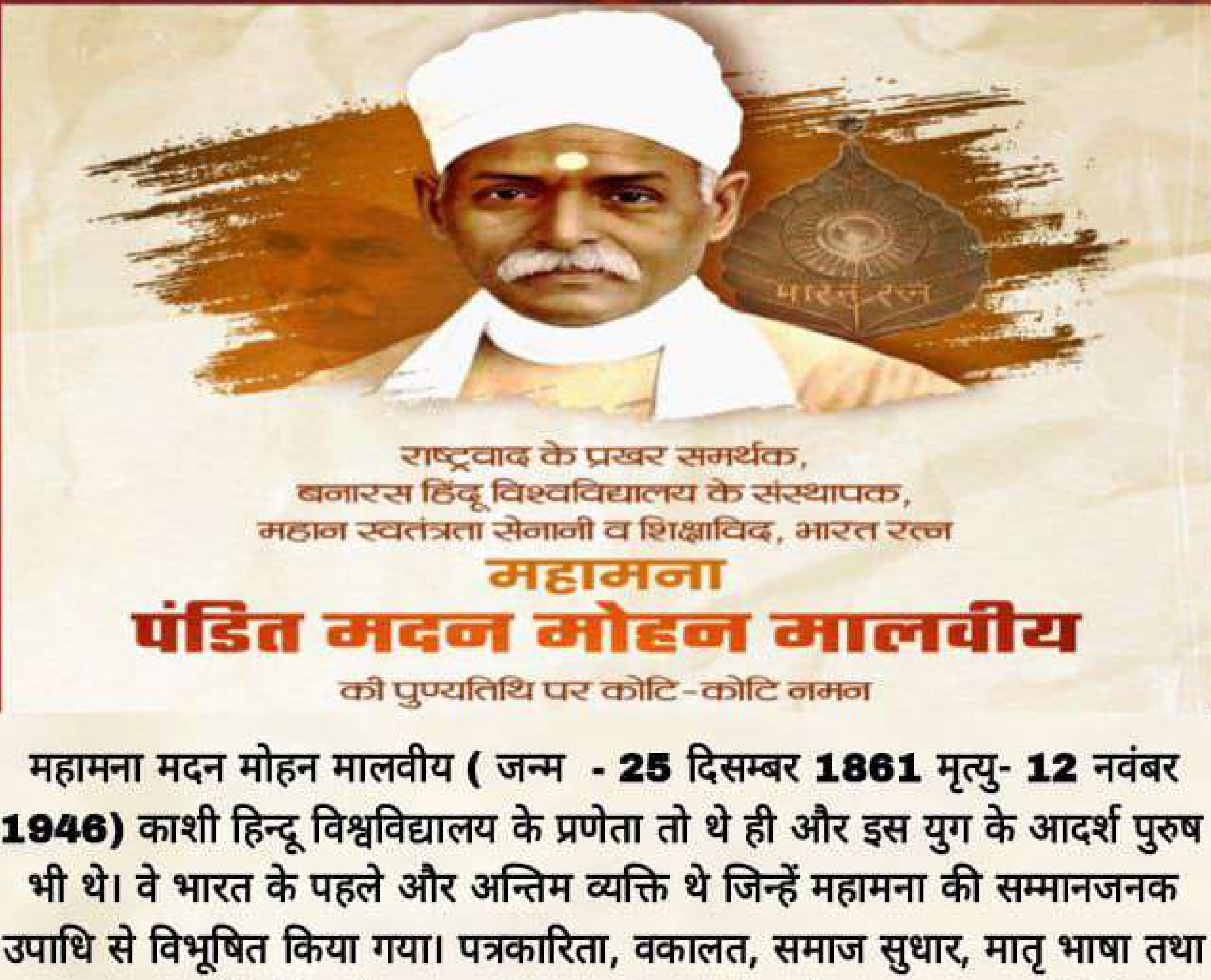

महामना मदन मोहन मालवीय (जन्म - **25** दिसम्बर **1861** मृत्यु- **12** नवंबर **1946)** काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के प्रणेता तो थे ही और इस युग के आदर्श पुरुष भी थे। वे भारत के पहले और अन्तिम व्यक्ति थे जिन्हें महामना की सम्मानजनक उपाधि से विभूषित किया गया। पत्रकारिता, वकालत, समाज सुधार, मातृ भाषा तथा भारतमाता की सेवा में अपना जीवन अर्पण करने वाले इस महामानव ने जिस विश्वविद्यालय की स्थापना की उसमें उनकी परिकल्पना ऐसे विद्यार्थियों को शिक्षित करके देश सेवा के लिये तैयार करने की थी जो देश का मस्तक गौरव से ऊँचा कर सकें। मालवीयजी सत्य, ब्रह्मचर्य, व्यायाम, देशभक्ति तथा आत्मत्याग में अद्वितीय थे। इन समस्त आचरणों पर वे केवल उपदेश ही नहीं दिया करते थे अपितु स्वयं उनका पालन भी किया करते थे। वे अपने व्यवहार में सदैव मृदुभाषी रहे।

राकेश कुमार

MATH TLM

84 Class-6to8

त्रिभुज (Triangle)

भुजाओं के आधार पर त्रिभुज तीन प्रकार के होते हैं

- **समबाहु त्रिभुज**

जिस त्रिभुज की तीनों भुजाएं समान होती हैं, उसे समबाहु त्रिभुज कहते हैं ।

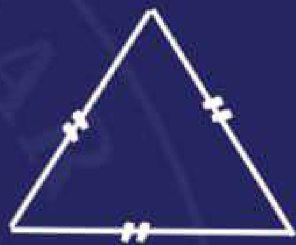

- **विषमबाहु त्रिभुज**

जिस त्रिभुज की तीनों भुजाएं असमान हो, उसे विषमबाहु त्रिभुज कहते हैं।

- **समद्विबाहु त्रिभुज**

जिस त्रिभुज की कोई दो भुजा एक समान हो उसे समद्विबाहु त्रिभुज कहते हैं।

Anu Priya, Science Teacher

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी

बॉल	बैटर	मैच	वेन्यू	साल
11	आकाश चौधरी	मेघालय Vs अरूणाचल प्रदेश	सूरत	2025
12	वेन व्हाइट	लीसेस्टरशायर Vs एसेक्स	लीसेस्टर	2012
13	वैन वुरेन	ईस्टर्न प्रोविंस B Vs ग्रिक्वालैंड वेस्ट	क्रैडॉक	1984/85
14	नेड एकर्सली	लीसेस्टरशायर vs एसेक्स	लीसेस्टर	2012
15	खालिद महमूद	गुजरांवाला vs सरगोधा	गुजरांवाला	2000/01
15	बंदीप सिंह	जम्मू एवं कश्मीर vs त्रिपुरा	अगरतला	2015/16

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द **12.11.2025**

शिक्षा में केस स्टडी

शिक्षा में केस स्टडी एक शिक्षण पद्धति है जिसमें छात्रों को किसी विशिष्ट, वास्तविक दुनिया की समस्या का विश्लेषण करने और उसके समाधान खोजने के लिए कहा जाता है। यह विधि छात्रों को सिद्धांत को व्यवहार में लागू करने, आलोचनात्मक सोच, समस्या-समाधान और निर्णय लेने जैसे कौशल विकसित करने में मदद करती है। इसमें छात्र किसी केस (स्थिति) का अध्ययन करते हैं, उसके विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करते हैं और चर्चा के माध्यम से एक या अधिक समाधान प्रस्तावित करते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

एचसीएल (HCL)के संस्थापक शिव नादर भारत के सबसे बड़े दानवीर बन गए हैं। उन्होंने साल 2025 में औसतन हर दिन ₹7.41 करोड़ दान किए हैं।

पद्य पंकज

"

तप रे मधुर-मधुर मन!
विश्व-वेदना में तप प्रतिपल,
जग-जीवन की ज्वाला में गल,
बन अकलुष, उज्जवल औ' कोमल,
तट रे विधुर -विधुर मन!

सुमित्रा नंदन पंत

Madhu priya

लोक सेवा प्रसारण
दिवस
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
12 नवंबर
वर्ष 1947 में आज के दिन, महात्मा गांधी ने आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली से कुरुक्षेत्र में मौजूद शरणार्थियों को संबोधित किया था।
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
महामना मदन मोहन मालवीय
25 दिसम्बर 1861 - 12 नवंबर 1946
/teachersofbihar
Madhu priya